प्रेषक.

मनीषा पंवार, सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग–02

देहरादून : दिनांक 30 सितम्बर 2009

विषय:- विकलांगजनों हेतु जीविका अवसर प्रोत्साहन के अन्तर्गत कम पड़ रही धनराशि की पूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 की बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विकलांगजनों के लिये जीविका अवसर प्रोत्साहन योजना हेतु लेखानुदानान्तर्गत प्राविधानित धनराशि निर्गत करने सम्बन्धी शासनादेश संख्या 144/XVII-02/09-06(51)/2005 दिनांक 14.07.2009 को निरस्त करते हुये वर्ष 2009–10 के आय—व्ययक में प्राविधानित रु० ०.०१ लाख (एक हजार रुपये मात्र) एवं संलग्न बी०एम०–15 में उल्लेखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा रु० 19.99 लाख (उन्नीस लाख निन्यानवे हजार मात्र) कुल रूपये 20.00 लाख (बीस लाख रुपये मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ व्यय करने की राज्यपाल महोदय, सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा उक्त धनराशि को आहरित कर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम लि0, देहरादून को उपलब्ध करायी जायेगी।

योजना का संचालन शासनादेश संख्या 459/XVII-02/09-06(51)/2005 दिनांक 14.07. 2. 2009 द्वारा प्रख्यापित नवीन नियमावली के अनुसार तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित 3.

स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाय।

अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये 4. जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।

वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू 5. योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यो के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।

संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति 6. से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।

मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों 7. में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।

अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुरितका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार 8.

समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का मासिक विवरण सीधे 9. शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चत किया जाये साथ ही बी० एम०-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से निर्देशक समाज कल्याण के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय 10. अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से

अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय संलग्न बी०एम०-15 के कॉलम 5 के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 11. 2009—10 के अनुदान संख्या—15—आयोजनागत के लेखाशीर्षक '2235—सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण-02-समाज कल्याण-101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण-13-विकलांगजनों के लिये के मानक मद "20—सहायक योजना-00. प्रोत्साहन जीविका अवसर अनुदान / अंशदान / राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या 386(P)/XXVII(3)/2009 दिनांक 23, सितम्बर 12.

2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

(मनीषा पंवार) सचिव !

पृष्ठांकन संख्या : 672/XVII-02/09-06(51)/2005 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :--

- निजी सचिव, मा० समाज कल्याण मंत्री उत्तराखण्ड। 1.
- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून। 2.
- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड। 3.
- वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी, नैनीताल। 4.
- समन्वयक राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी, देहरादून। 5.
- समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड। 6.
- समस्त महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, उत्तराखण्ड। 7.
- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून । 10.

गार्ड फाइल। 11.

आज्ञा से, (धीरेन्द्र सिंह दताल) उप सचिव।

Date alaborate step, out of the state,

19571年 7章 2009-2010

ीतपुर प्रमाधि - समिति स्पूर्वास्ट्र अनुतान संस्था : :5

क्षान्य विकास के जिल्लाहरू है जिल्ला के किस के जिल्लाहरू के किस के				156,5714 drs 2009—2010			(FINAL PROPERTY (PARTY))
उत्तर प्राविद्यान तथा त्रेशाशीर्षक का विक्षण	मानकपदेवस अध्यवधिक व्यय	िल्लीक दाव के शेष अविशि में अनुसर्गित अग्र	अउस्थे (एम्प्सून्) धनस्यि	त्यसा शोषक, जिसमें शनराष्ट्रि स्थानांतरित किया जान्त हे	पूर्विवेद्योग के बाद स्तम्भ को कुल धनराधि	तु- विक्तेग्रांत के अद अवशेष धनशर्भि (स्वाम-1 में)	अप्यक्ति।
	No.	ω.	4	5	6	, h	8
अनु स्०- 15 अधोजनागर 2235अगातिक सुरक्षा तथा कल्याण १०2-समात कल्याण १०1-निकतां व्यक्तियां का कल्याण ११-निकतां अन अधिनियम १९९५ के क्रियान्यन हतु कार्यक्रम १९-विझाणन बिक्री और विख्यापन १९०० व्यक्त सुनविनियोग 2860		590	5640	अपुरत—15 आयोजनागतं 2235-स्नामिक सुरक्षा तथा कल्याण 02-सभाज कल्यण 101- विकलाः व्यक्तियां का कल्याण 13-विकलाः व्यक्तियां का लिए जीविका अन्वस्य प्रोत्साहन योजना 00- 20- सहायक अनुदान/अंशदान / राज सहायता	2000	:: 41	क) विकलांग जन अधिनियम 1995 के क्रियान्यम हेत् कार्यक्रम में पर्याप्त प्रस्ताव न होने के कारण यत्रात की सम्भावना है। ख) विकलांग जनीं के लिए जीविका अवसर प्रीत्साहन ग्रोजना की गाइड हाइन्य ग्रोजना के क्रियान्यस्त होतु ग्रोजना के क्रियान्यस्त होते के जारण पुरक्षित्यांग वाने के जारण पुरक्षित्यांग

देहरादूनः दिनांकः 23 सितम्बर, 2009 ₹10- 386(P)(1)/XXVII(3)/2009 वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाः — 3 उत्तराखण्ड शासन

समाज कल्याण

(मनीपा पंचार)

सचिव,

प्रमाणित किया जाना है कि पुराविनियान में कटा मेन्ड्यन के परिन्धेंब 150, 151, 155, 156 में अंतिकवित प्राविधानों का उल्लंधन नहीं होता है

505

5640

44.

1999

414

Lilk

पुनविनियोगु स्वीकृत । अपर सचिव, वित्त अर्जुन सिंह)

रोवा में उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून। महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)

w $\dot{\nu}$ संख्या 672 (2)/XVII-2/09-06(51)/2005/तददिनांक । प्रतिलिपि-निम्नां फेत को सूचनाथं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेमित :--संख्या- 672 वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3. उत्तराखण्ड शासन। निदेशक, कोषागार एवं वित्त रोचारों, उत्तराखण्ड-देहरा कोषाधिकारी, इन्द्रानी (नेनोटाल)। निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)। हराद्रन

रत असेत सभाज रूपण (शोप्ट सिर्म वनाता ,